Model Question हिन्दी रंगमंच 6th Semester

BAHHINDSE-605 Paper- DSEC-04

1. अति लघु उत्तरीय प्रश्न

क) 'नहुष' नाटक के रचनाकार का नाम लिखिए।
ख) मोहन राकेश के किसी एक नाटक का नाम लिखिए।
ग) ध्रुवस्वामिनी का प्रकाशन वर्ष क्या है?
घ) 'आधे-अधूरे' का प्रथम नाट्य निर्देशक कौन है?
ङ) 'कोणार्क' नाटक की पृष्ठभूमि में कौन सा राज्य है?
च) एक अच्छे दर्शक की कोई एक विशेषता बताइए।
छ) किसी ऐसी एक कहानी का शीर्षक बताइए जिसका नाट्य लेख किया गया है।
ज) 'रंगमंच का जनतंत्र' के लेखक का नाम लिखिए।
झ) भीष्म साहनी कृत एक नाटक का नाम लिखिए।
ञ) भारतेन्दु द्वारा रचित अधूरे नाटक का नाम लिखिए।
ट) 'लहरों के राजहंस' नाटक के रचनाकार कौन हैं?
ठ) 'आनन्दी मंडल' नाटक सर्वप्रथम किस थियेटर में खेला गया?
ड) रंगमंच की एक प्रमुख विशेषता बताइए।
ढ) हिन्दी रंगमंच का जन्मदाता किसे माना जाता है?
ण) 'अखिल भारतीय जननाट्य संघ' की स्थापना कब हुई?
त) 'शारदीया' नाटक किसकी कृति है?
थ) भारत में पहला पाश्चात्य रंगमंच कहाँ स्थापित हुआ?
द) 'रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र' के लेखक का नाम लिखिए।
ध) 'अनारस थियेटर' की स्थापना कब हुई?
न) 'नेशनल थियेटर' की स्थापना कब हुई?
प) 'इप्टा' का मतलब स्पष्ट कीजिए।
फ) 'पृथ्वी थियेटर' की स्थापना कब हुई?
ब) 'इप्टा' की स्थापना कब हुई?

2. लघु उत्तरीय प्रश्न

क) 'कोणार्क' नाटक के रचनाकार तथा प्रकाशन वर्ष लिखिए।
ख) हिन्दी रंगमंच की किन्हीं दो विशेषताओं को बताइए।
ग) हिन्दी रंगमंच के प्रकारों के नाम लिखिए।
घ) नाटक में निर्देशन के दो महत्व बताइए।
ङ) मोहन राकेश के किन्हीं दो नाटकों के नाम लिखिए।
च) ध्रुवस्वामिनी नाटक में कितने अंक हैं तथा उसके खलपात्र का नाम बताइए।
छ) 'अंधेर नगरी' नाटक कब और किस थियेटर में अभिनीत किया गया?
ज) भारतेन्दु ने नाटक के सैद्धान्तिकी पर एक निबंध लिखा था, उसका शीर्षक क्या था और वह किस पत्रिका में छपी थी?
झ) हिन्दी के पहले नाटक का नाम बताइए तथा इसके रचनाकार का नाम लिखिए।
ञ) प्राचीन रंगमंच को स्वदेशी भाषा में क्या कहा जाता है? बांग्ला के एक सुप्रसिद्ध रंगकर्मी का नाम लिखिए।
ट) पं० माधव शुक्ल कृत 'महाभारत पूर्वार्द्ध' कब और कहाँ मंचित किया गया?
ठ) 'काशी नागरिक नाटक मंडली' कलकत्ता में किस नाम से विख्यात हुई?

ड) 'हिन्दी नाट्य समिति,' इलाहाबाद की स्थापना कब और कहाँ हुई?
ढ) नाटक की किन्हीं दो विशेषताओं को बताइए?
ण) 'जनमेजय का नागयज्ञ' नाटक के रचनाकार तथा प्रकाशन वर्ष लिखिए।
त) 'काव्येषु नाटकम् रम्यम्' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
थ) लोक नाट्य शैली के दो उदाहरण दीजिए।
द) हिन्दी रंगमंच का प्रारम्भ कब और किस नाटक से माना जाता है?
ध) 'भारतेन्दु नाटक मंडली' द्वारा मंचित दो नाटकों के नाम लिखिए।
न) आजादी के बाद के दो नाट्य संस्थानों के नाम लिखिए।
प) 'बलिया नाट्य समाज' की स्थापना कब हुई, वहाँ सर्वप्रथम किस नाटक का मंचन हुआ?

3. संक्षिप्त उत्तरीय प्रश्न!-

क) रंगमंच के स्वरूप एवं संरचना का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
ख) हिन्दी रंगमंच की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
ग) नाटक में निर्देशन-कला के महत्व पर प्रकाश डालिए।
घ) 'प्रेक्षागृह' से आप क्या समझते हैं? विस्तार पूर्वक उत्तर दीजिए।
ङ) नाटक के अन्तर्गत दर्शक की भूमिका पर प्रकाश डालिए।
च) हिन्दी रंगमंच के विकास में अनुदित नाटकों की भूमिका पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।
छ) रंगमंचीय दृष्टि से प्रसाद के नाटक कितने सफल हैं, तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।
ज) हिन्दी रंग चिन्तन परम्परा में जयशंकर प्रसाद के अवदान पर प्रकाश डालिए।
झ) हिन्दी नाटक में भारतेन्दु के योगदान पर प्रकाश डालिए।
ञ) ध्रुवस्वामिनी नाटक में 'कोमा' नामक पात्र की क्या उपयोगिता है? सोदाहरण उत्तर दीजिए।
ट) नाटक में 'नाट्यलेख' के महत्व पर प्रकाश डालिए।
ठ) कोणार्क नाटक में 'धर्मपद' नामक पात्र की उपयोगिता पर विचार कीजिए।
ड) हिन्दी रंग चिन्तन की परम्परा में भीष्म साहनी के अवदान पर प्रकाश डालिए।
ढ) हिन्दी नाटक में मोहन राकेश के योगदान पर विचार कीजिए।
ण) भारतेन्दु युग में हिन्दी रंगमंच के विकास पर विचार कीजिए।

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न!-

क) हिन्दी रंगमंच की चुनौतियों पर प्रकाश डालिए।
ख) मोहन राकेश के नाटकों की रंगमंचीयता पर प्रकाश डालिए।
ग) नाट्यकला की दृष्टि से 'कोणार्क' नाटक की समीक्षा कीजिए।
घ) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।
ङ) हिन्दी रंगमंच में भारतेन्दु के योगदान पर प्रकाश डालिए।
च) ध्रुवस्वामिनी नाटक पर रंगमंच और अभिनेयता की दृष्टि से विचार कीजिए।
छ) हिन्दी रंगमंच के शुरुआती स्वरूप पर एक लेख लिखिए।
ज) हिन्दी रंग चिन्तन की विशेषताओं पर एक लेख लिखिए।
झ) हिन्दी रंग चिन्तन की परम्परा पर प्रकाश डालिए।
ञ) रंगमंचीय दृष्टि से 'कोणार्क' नाटक की समीक्षा कीजिए।